

## असाधारता EXTRAORDINARY

भाग <sup>II</sup>—স্বত্ত 3—उप-স্বত্ত (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 81] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 14, 1986/माघ 25, 1907 No. 81] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 14, 1986/MAGHA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृह मंत्रालय

(विदेशी अनुभाग)

# अादेश

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1986

- सा. का. नि. 203(अ) :—विदेशी व्यक्ति अधिनियम, 1946 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा विदेशी व्यक्ति (न्यायाधिकरण) आदेश, 1964 में संशोधन के लिए निम्नलिखित आदेश बनाती हैं:—
  - 1. (1) इस आदेश का नाम विदेशी व्यक्ति (न्यायाधिकरण) सक्षीधन आदेश, 1985 होगा ।
  - (2) यह आदेश सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागृ होगा । 1575 GI/85

- 2. विदेशी व्यक्ति (न्यायाधिकरण) आदेश, 1964 (जिसे इसके बाद आदश कहा गया। ह") के पैरा 2 में उप-पैरा (1) के बाद, निम्नलिक्ति उप-पैरा रेजाडा जाएगा, अर्थात्
  - '(1क) नागरिकता नियम, 1956 को नियम 16 च के उप-नियम (1) के अधीन नियुक्त पजीकरण प्राधिकारी, न्यायाध्करण का यह प्रश्न भी भेज सकता है कि क्या भारतीय मूल का कहें व्यक्ति नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) की धारा 6क को उप-धारा (3) की किसी आवश्यकता को परा करता है ।''
- 3. उक्त आदश के पैरा 3 म<sup>-</sup>, उप-पैरा (1) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाएगा, अर्थात् .—
  - (1.क) रापा भा परा का अप-परा (1क) मा उल्लाबन प्रकार प्र अपनी राय दोन से पहाले, उस त्यक्ति को, जिसके बारों मा राय मारी एड हा उपन मामल भा प्रस्तुत का राम विकास सिंग देवा ।

[स. 14011/35/85-एफ 3] अरुण कामार, सयुक्त सचिव (एफ)

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Foreigners Division)

#### Order

New Delhi, the 15th January, 1986

- G.S.R. 203(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Foreigners Act, 1946 (31 of 1946), the Central Government hereby makes the following order, to amend the Foreigners (Tribunals) Order, 1964 namely:—
- 1. (1) This order may be called the Foreigners (Tribunals) Amendment Order, 1985.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In paragraph 2 of the Foreigners (Tribunals) Order, 1964 (hereinafter referred to as the said Order), after sub-paragraph (1), the following sub-paragraph shall be inserted, namely:—
  - "(1A) The registering authority appointed under sub-rule (1) of rule 16F of the Citizenship Rules, 1956 may also

refer to the Tribunal the question whether a person of Indian origin, complies with any of the requirements under sub-section (3) of section 6A of the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955)."

- 3. In paragraph 3 of the said Order, after sub-paragraph (1) the following sub-paragraph shall be inserted, namely:—
  - "(1A) The Tribunal shall, before giving its opinion on the question referred to in sub-paragraph (1A) of paragraph 2, give the person in respect of whom the opinion is sought, a reasonable opportunity to represent his case."

[No. 14011|35|85-F. III] ARUN KUMAR, Jt. Secy. (F)